Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding issue related to the problems of farmers in Gujrat

श्रीमनसुखभाईधनजीभाईवसावा (भरूच)

:माननीयअध्यक्षजी,आपनेमुझेशून्यकालमेंबोलनेकाअवसरप्रदानकियाहै,मैंइसकेलिएआपकाआभारीहूं ।
महोदय,मेरेसंसदीयक्षेत्रभरूचलोकसभामेंबड़ेउद्योग,बुलेटट्रेनऔरकॉरिडोरजैसेप्रोजेक्टआकारलेरहेहैं ।
इनउद्योगोंतथासभीप्रोजेक्टोंमेंकिसानोंकीबहुतसारीजमीनेंसस्तेदामोंपरअधिगृहितकीजारहीहैं,जिसकाकिसानोंकोअधिकमुअ
।पूरेगुजरातमेंकिसानोंकीजमीनोंकेअलग-अलगदामतयकिएजारहेहैं,जोकिन्यायसंगतनहींहै ।
इसकादामएकसमानहोनाचाहिए ।

माननीयअध्यक्षमहोदय,किसानोंद्वाराअपनीविविधफसलोंसेप्राप्तआयतथाजमीनअधिग्रहणकाजोभीमुआवजाकिसानोंकेनामप
।मैंआपकेमाध्यमसेसरकारसेयहआग्रहकरताहूंकिपूरेगुजरातमेंकिसानोंकीजमीनकीकीमतेंएकजैसीहोनीचाहिए ।
सभीकिसानोंकोउनकीजमीनकीसहीकीमतेंतथाफसलोंकामुआवजाभीमिलनाचाहिए ।
स्थानीयउद्योगोंजैसेप्रोजेक्टोंमेंस्थानीयलोगोंकोरोजगारऔरनौकरीमिलनीचाहिए ।
किसानोंकोआयकरविभागद्वाराजिसप्रकारसेडिस्टर्बकियाजारहाहै,वहबंदहोनाचाहिए ।

माननीयअध्यक्ष :

श्रीकुलदीपरायशर्माकोश्रीमनसुखभाईधनजीभाईवसावाद्वाराउठाएगएविषयकेसाथसंबद्धकरनेकीअनुमतिप्रदानकीजातीहै ।